निरीक्षण आख्या

दिनांक 02.07.2014 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पूरनपुर, जनपद– पीलीभीत का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एवं जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबन्धक उपस्थित थे।

1. वर्तमान में चिकित्सालय के अधीक्षक का कार्य डा0 रविन्द्र सिंह एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा0 मो0 असलम द्वारा संपादित किया जा रहा है। चिकित्सालय में एक दन्त चिकित्सक एवं तीन संविदा आयुष चिकित्सक भी कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त दो स्टाफ नर्स (एक संविदा) कार्यरत हैं। चिकित्सा अधीक्षक द्वारा उक्त सी0एच0सी0 में कम से कम एक महिला चिकित्सक, तीन नियमित एलोपैथिक चिकित्सा अधिकारियों, दो स्टाफ नर्स की नियुक्ति हेतु अनुरोध किया गया।
2. चिकित्सालय की सामान्य सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं थी। चिकित्सालय परिसर के शौचालय गन्दे थे एवं फ्लश आदि टूटे हुए थे जिन्हें ठीक कराने की सलाह दी गयी।
3. प्रयोगशाला में एल.टी. श्री अजय कुमार मिश्रा विगत 11 वर्ष से संविदा पर कार्यरत हैं। प्रयोगशाला में गर्भवती महिलाओं की हीमोग्लोबिन, एलब्यूमिन, शुगर आदि की जाँच की जाती है। हीमोग्लोबिन की जाँच के लिए हीमोग्लोबिनोमीटर के स्थान पर फिल्टर पेपर का प्रयोग किया जाता है।
4. एक्सरे टेक्नीशियन श्री नन्द लाल संविदा पर कार्य कर रहें हैं एवं उनके द्वारा प्रतिदिन करीब 10 एक्सरे किया जाता है।
5. वर्तमान में चिकित्सालय में 1 डीप फ्रीजर, 1 आई.एल.आर. और 40 वैक्सीन कैरियर उपलब्ध हैं। सभी वैक्सीन स्टेज 1 की पायी गयी। टेम्परेचर लाग बुक मेंटेन था।
6. दन्त चिकित्सक के कक्ष, डेन्टल चेयर खराब थी एवं ट्यूबलाइट फीटिंग गिरने वाली है।
7. ड्रेसिंग रूम में ग्लब्स एवं डस्टबीन का अभाव था।
8. इमरजेंसी रूम में 01 इमरजेंसी ट्रे थी जिसमें अधिकतर दवाईयाँ उपलब्ध थी एवं कोई एक्सपायरी डेट की दवाई नहीं पायी गयी। वर्तमान में चिकित्सालय में 8 ऑक्सीजन सीलिण्डर हैं जो क्रियाशील थे। इमरजेंसी रूम में प्राइवेसी का अभाव था।
9. पुरूष तथा महिला चिकित्सक का टॉयलेट का फ्लश एवं नल खराब पाये गये।
10. दवा वितरण कक्ष में लाईट की कमी थी।
11. न्यूबॉर्न वार्मर भी खराब है उसके स्थान पर 200 वाट का बल्ब लगाया गया है। लेबर रूम में कहीं एस.बी.ए. प्रोटोकॉल नहीं लगा है एवं विटामिन के उपलब्ध नहीं है। जून माह मे कुल 185 प्रसव कराये गये हैं।
12. चिकित्सालय में उपलब्ध जेनरेटर के लिए बजट की कमी के कारण हमेशा परेशानी बनी रहती है।

13. प्रमुख सचिव के निर्देशों के क्रम में चिकित्सालय परिसर में चिकित्सा विभाग के समस्त 05 टोल फ्री नम्बर दीवार पर अंकित नहीं थे। अतः इन्हें मुख्य भवन के प्रवेश द्वार पर तत्काल प्रदर्शित कराने हेतु निर्देशित किया गया।

14. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पूर्ण कालिक लिपिक न होने के कारण रिकार्ड इत्यादि नहीं देखा जा सका। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को इस सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पूर्णकालीक लिपिक नियुक्त करने के लिए कहा गया।

Dr Rajesh
GM (CP & ...)

Prakhar Prakash
Technical Consultant

(Akhilesh Kumar Srivastava)
Programme Co-ordinator
SPMU-NRHM

निरीक्षण आख्या

आज दिनांक 03.07.2014 को जिला महिला चिकित्सालय, पीलीभीत का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एवं जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबन्धक उपस्थित थे।

1. जिला महिला चिकित्सालय, पीलीभीत में वर्तमान में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के अतिरिक्त कुल 7 चिकित्सक कार्यरत हैं। मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका एवं एक अन्य चिकित्सक डी0जी0ओ0 हैं अन्य तीन महिला चिकित्सकों में से एक संविदा चिकित्सक हैं। इसके अलावा तीन पुरूष विशेषज्ञ हैं जो कि क्रमशः रेडियोलॉजिस्ट, बाल रोग विशेषज्ञ एवं एनेथेस्टिट पद पर कार्यरत हैं। चिकित्सालय में छः स्टॉफ नर्स हैं जिसमें से चार नियमित और दो संविदा पर हैं। चिकित्सा अधीक्षक द्वारा चार महिला चिकित्सक, चार स्टाफ नर्स की नियुक्ति हेतु अनुरोध किया गया। वर्तमान में चिकित्सालय में दो आयुष चिकित्सकों द्वारा कार्य संपादित किया जा रहा है।
2. मार्च 2014 के बाद सिक्योरिटी गार्ड कार्य नहीं कर रहे हैं जिससे परेशानी अनुभव की जा रही है।
3. चिकित्सालय में प्रतिमाह 200–300 प्रसव कराये जाते हैं जिसमें से 35 से 45 सिजेरियन होते हैं।
4. चिकित्सालय सबसे बड़ी समस्या जेनरेटर हेतु डीजल के बजट की कमी है। गत वर्ष रू0 3.94 लाख के सापेक्ष वर्ष में लगभग रू0 9 लाख व्यय किये गये। चिकित्सालय में 62.5 के0वी0ए0 का जेनरेटर कार्य कर रहा है जिसमें प्रति घण्टा लगभग 12 लीटर डीजल की खपत होती है। यदि 25 के0वी0ए0 का जेनरेटर ठीक करा लिये जाने की सलाह दी गयी। मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका द्वारा अवगत कराया गया कि इस हेतु बजट की आवश्यकता है।
5. चिकित्सालय के रोड खराब हैं एवं आवास की हालत भी संतोषजनक नहीं है जिसे मरम्मत की आवश्यकता है। ऑफिस को भी ठीक कराये जाने की आवश्यकता बतायी गयी।
6. चिकित्सालय में हेल्पलाईन नम्बर, सीटिजन चार्टर आदि दीवार पर अंकित थे।
7. पी0पी0सी0टी0सी0 सेन्टर में कार्यरत काउन्सलर द्वारा अवगत कराया गया कि सेन्टर में गत वर्ष 6460 परीक्षण किये गये जिसमें से 10 एच0आई0वी0 पॉजीटिव पाये गये। इनमें से 2 गर्भवती महिलाएं थी।
8. चिकित्सालय का वाटर कूलर खराब था जिसे ठीक कराने की सलाह दी गयी।
9. चिकित्सालय की सफाई व्यवस्था सामान्य रूप से ठीक थी, परन्तु शौचालय की नियमित सफाई की आवश्यकता है।
10. ओ0टी0 में कलर कोडेट डस्टबिन का अभाव था। एनेथेस्टिट द्वारा पल्स ऑक्सीमीटर, डीफिब्लिलेटर की आवश्यकता बतायी गयी। चिकित्सालय में एस0एन0सी0यू0 अथवा एन0बी0एस0यू0 नहीं है।
11. अल्ट्रासाउण्ड मशीन खराब है क्योंकि हार्डडिस्क खरात हो गयी है।
12. चिकित्सालय में कार्यरत डा0अंजली सिंह एवं डा0संतोष राणा ने इमॉक ट्रेनिंग करने की इच्छा व्यक्त की जिसे राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान को अवगत करा दिया गया है।

(Akhilesh Kumar Srivastava)
Programme Co-ordinator
SPMU-NRHM

Dr Rajesh Jha
G.M. (CP & Training)

Prakhar Prakash
Technical Consultant-MIS

निरीक्षण आख्या

दिनांक 03.07.2014 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बहेड़ी, बरेली का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एवं जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबन्धक बरेली उपस्थित थे।

1. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में अधीक्षक डा0कैलाश चन्द्र जोशी के अतिरिक्त 6 अन्य चिकित्सक तैनात हैं। इसमें बाल रोग विशेषज्ञ, निश्चेतक, सर्जन एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ के अलावा 2 चिकित्सा अधिकारी एवं 1 दन्त चिकित्सक सम्मिलित हैं। 1 अन्य महिला आयुष चिकित्सक भी तैनात हैं। कुल 7 स्टॉफ नर्स हैं। इस प्रकार मानव संसाधन की कोई कमी नहीं पायी गयी।
2. चिकित्सालय में एम्बुलेंस 102 सेवा उपलब्ध नहीं थी (मण्डलीय परियोजना प्रबंधक एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी से वार्ता के पश्चात उपलब्ध करा दी गयी है)।
3. चिकित्सालय की स्वच्छता एवं सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं है एवं चिकित्सालय में मरम्मत आदि की आवश्यकता है जिसके बारे में अधीक्षक एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अवगत करा दिया गया है।
4. चिकित्सालय का लेबर रूम बहुत छोटा है एवं इसे बदलने की सलाह दी गयी। वर्तमान ओ0टी0 के बगल में एक कमरे को लेबर रूम बनाया जा सकता है। एक ओ0टी0 प्रथम तल पर स्थित है जिसकी मरम्मत के बाद वर्तमान ओ0टी0 को भी लेबर रूम बनाया जा सकता है। चिकित्सालय में प्रतिमाह लगभग 225 प्रसव कराये जाते हैं, परन्तु जे0एस0वाई0 में एकाउण्ट पेयी चैक दिये जाने के कारण इसमें कमियाँ आ रही हैं। वर्तमान स्त्री रोग विशेषज्ञ अवकाश पर हैं जिस कारण सीजेरियन नहीं किया जा पा रहा है।
5. चिकित्सालय जिला मुख्यालय से दूर होने के कारण एवं सम्पर्क बहुत खराब होने के कारण चिकित्सालय में ब्लड स्टोरेज यूनिट की अत्यन्त आवश्यकता है। वर्तमान में इस हेतु उपलब्ध रेफ्रिजरेटर खराब है एवं इसे ठीक कराने की आवश्यकता है।

(Akhilesh Kumar Srivastava)
Programme Co-ordinator
SPMU-NRHM

Dr Rajesh Jha
GM (CP & Training)

Prakhar Prakash
Technical Consultant-MIS

निरीक्षण आख्या

आज दिनांक 18.07.2014 को जिला महिला चिकित्सालय, शाहजहाँपुर का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एवं जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबन्धक शाहजहांपुर उपस्थित थे।

1. शाहजहाँपुर जिला महिला चिकित्सालय में 2 स्त्री रोग विशेषज्ञ, 1 निःस्चेतक, 1 रेडियोलॉजिस्ट, 1 पैथोलॉजिस्ट (मुख्य चिकित्सा अधीक्षक) और 1 बाल रोग विशेषज्ञ वर्तमान में तैनात हैं। इसके अलावा 1 आयुष चिकित्सक भी हैं। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के अनुसार चिकित्सालय को सुचारू रूप से चलाने के लिए 3 आकस्मिक चिकित्सक, 2 स्त्री रोग विशेषज्ञ, 1 एस0एम0ओ0 एवं 1 पी0पी0सी0 चिकित्सक की आवश्यकता है। कोई भी चिकित्सक लैप्रोस्कोपी में प्रशिक्षित नहीं है जिस कारण महिला नसबन्दी का कार्य नहीं कराया जा पा रहा है।

2. चिकित्सालय की सामान्य सफाई व्यवस्था ठीक थी, परन्तु रख–रखाव का कई स्थान पर अभाव था। जैसे– बिजली के तार आदि लटके हुए थे जिसके सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को अवगत करा दिया गया। चिकित्सालय में सीटिजन चॉर्टर एवं ई0डी0एल0 प्रदर्शित नहीं था।

3. कुछ वार्डो में वेन्टिलेशन/पर्दे का अभाव है जिससे मरीजों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक इस सम्बन्ध में सुधारात्मक सुझाव दिये गये।

4. लेबर रूम में एस0बी0ए0 प्रोटोकाल नहीं लगा हुआ था एवं कलर कोडेड डस्टबिन उपलब्ध नहीं था।

5. ड्यूटी रूम में लाईट की कमी थी।

6. जे0एस0वाई वार्ड में शौचालय खराब हैं। मरीजों को खाने में दूध और ब्रेड दिया जा रहा है। दवाई व जाँच की कोई शिकायत नहीं प्राप्त हुई। वार्ड में गीजर एवं इन्वर्टर भी खराब पाये गये। जे0एस0एस0 के0 के अंतर्गत निःशुल्क ब्लड ट्रांसफ्यूजन की व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी।

7. एस0एन0सी0यू0 के 16 बेड उपलब्ध हैं जिसमें से 12 बेड पर नवजात शिशु भर्ती थे। एस0एन0सी0यू0 की व्यवस्था अच्छी पायी गयी।

8. एन0आर0सी0 में 10 बेड हैं जिसमें 6 बच्चे भर्ती थे। भोजन आदि की अच्छी व्यवस्था है।

9. चिकित्सक के आवास अच्छे नहीं हैं इसमें मरम्मत कराने की आवश्यता है।

10. चिकित्सालय परिसर में एम्बुलेंस में ऑक्सीजन सीलेण्डर का रेगुलेटर खराब था।

Prakhar Prakash
Technical Consultant-MIS

(Akhilesh Kumar Srivastava)
Programme Coordinator
SPMU-NRHM